

for training and how far have we been able to satisfy them?

Dr. Sushila Nayar: We have been training workers from 10 to 15 countries every year. I am afraid, I do not have the list of those countries with me just at present. But I will mention a few. Some of them are our neighbouring countries like Nepal, Afghanistan and Pakistan. May I say that some technical assistance in family planning has been asked from us even by highly developed countries such as the United States?

Mr. Speaker: The Question Hour is over.

Shri Shivaji Rao S. Deshmukh: May I suggest that Question No. 78, which is a very important question, may be taken up now before you take up any other item? It relates to Krishna-Godavari waters dispute.

Mr. Speaker: I cannot take it up now. The Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

कृषि ऋण निगम

- * 67. श्री ए० ला० द्विवेदी :
 श्री भातारु मा आजाव :
 श्री सुबोध हंसदा :
 श्री स० स० सामन्त :
 श्री प्र० चं० बहपा :
 श्री यशपाल सिंह :
 श्री बाल्मोकी :
 श्री बागड़ी :
 डॉ० राम मनोहर लोहिया :
 श्री भानु प्रभास सिंह :
 श्री विश्वनाथ पाण्डेय :
 श्री रामबन्ध उमरका :
 श्री बुल्लेवर भीना :
 श्री इ० ब० राजू :
 श्री हेम राज :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राज्यों में कृषि ऋण निगम स्थापित करने के सम्बन्ध में रक्षित बैंक द्वारा किये गये अध्ययन के क्या परिणाम निकले हैं ;

(ख) उक्त निगम के कब तक स्थापित हो जाने की सम्भावना है ; और

(ग) इस निगम के मुख्य कार्य क्या होंगे और इसके कार्य संचालन के लिए कितना धन दिया जायेगा तथा किस स्रोत से ?

वित्त मंत्री (श्री शाशी प्र चौरी) :

(क) से (ग). संस्थाओं द्वारा कृषि सम्बन्धी ऋणों के लिये किये जा रहे वर्तमान प्रबन्धों की जांच करने के लिए, कुछ समय पहले रिजर्व बैंक के गवर्नर की अध्यक्षता में जो मनीषाचारिक दल नियुक्त किया गया था उसने सिफारिश की थी कि पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, उड़ीसा, राजस्थान राज्यों और मणिपुर तथा त्रिपुरा के संबन्धी राज्य क्षेत्रों में कृषि ऋण निगम स्थापित किये जायें ताकि इन क्षेत्रों में सहकारी बैंकों द्वारा जो ऋण सुविधाएं दी जा रही हैं वे बढ़ायी जा सकें । मनीषाचारिक दल के अनुसार, निगमों की शेरर पूंजी में मुख्यतः सम्बद्ध राज्य सरकारें तथा रिजर्व बैंक रुपया लगभग पर ये निगम रिजर्व बैंक से ऋण ले सकेंगे । मनीषाचारिक दल की सिफारिशों अभी विचाराधीन हैं ।

Ask from abroad during Third Plan :

- * 68. Shri Bhagwat Jha Asad:
 Shri M. L. Dwivedi:
 Shri S. C. Samanta:
 Shri Subodh Hansda:
 Shri P. C. Boruah:
 Shri Linga Reddy:
 Shrimati Savitri Nilgam: